दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 23.01.2025

प्रकाशनार्थ

दिनांक 23.01.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर पराक्रम दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य/मुख्य अतिथि प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस में अद्वितीय प्रतिभा और साहस था। उन्होंने ब्रिटिश सरकार द्वारा आयोजित आई.सी.एस. जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा को उत्तीर्ण कर अपनी प्रतिभा से सभी को परिचित कराया। ब्रिटिश सरकार की प्रशासनिक सेवा को त्यागकर देश सेवा का मार्ग चुना और मां भारती के चरणों में अपने आप को समर्पित कर कांग्रेस के साथ मिलकर देश के स्वतंत्रता आंदोलन को गति प्रदान की। आगे चलकर कांग्रेस की विचारधारा से अलग होकर **'ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक'** की स्थापना की। सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा 21 अक्टूबर 1943 को आजाद हिंद फौज के सर्वोच्च सेनापति की हैसियत से स्वतंत्र भारत की अस्थाई सरकार बनाई जिसे तत्समय 11 देशों की मान्यता प्राप्त थी। उन्होंने सर्वप्रथम गांधी जी को राष्ट्रपिता की संज्ञा दी तथा **'जय हिंद' और 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा'** जैसे नारों को देकर राष्ट्र के स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी महत्ता को सिद्ध किया। नेताजी आधुनिक भारत के निर्माण के शिल्पिकार थे। आज के दिन उनको याद कर हम सभी उनकी दिखाएं मार्ग पर चलने का प्रयास करेंगे।

उक्त कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. अंकित सिंह, सहायक आचार्य, भूगोल विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्वतंत्रता संघर्ष के उन नेताओं में से थे जिन्होंने युवाओं को स्वतंत्रता संघर्ष की तरफ उन्मुख कर स्वतंत्रता आंदोलन को तीव्रता प्रदान की आजाद हिंद फौज के माध्यम से उन्होंने युवाओं को देश की आजादी में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु एकत्रित करके अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष को गतिशीलता प्रदान किया। हम सभी युवा उनके जयंती के अवसर पर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए यह संकल्प लेते हैं कि उनके द्वारा दिखाए गए त्याग और बलिदान के मार्ग पर चलते हुए पराक्रम दिवस को मनाएगें।

उक्त अवसर पर महाविद्यालय के आई. क्यू. ए. सी. के समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह, मुख्य नियंता डॉ. राम प्रसाद यादव, डॉ. शुभ्रा श्रीवास्तव, डॉ. नित्यानंद श्रीवास्तव, डॉ. सुभाष चंद्र, डॉ. शुभांशु शेखर सिंह, श्री धीरज सिंह, डॉ. शिव कुमार, डॉ. रविंद्र कुमार, श्री विकास पाठक, डॉ. कमलेश मौर्य, श्री शुभम पाण्डेय सहित महाविघालय के कर्मचारी तथा विद्यार्थियों ने भी नेताजी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर पराक्रम दिवस समारोह को मनाया।

(डॉ. शैलेष कुमार सिंह)
सूचना एवं मीडिया प्रभारी